Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

CUH team made environment friendly three seaters electric scooter 'MITRA'

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 05-06-2023**

हकेंवि के विद्यार्थियों ने तैयार किया थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा

नारनौल में रविवार को विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा तैयार स्कूटर 'मित्रा' का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल, 4 जून (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता हैं। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों और विवि के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि इस स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपये की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर खुशी जतायी।

epaper.dainiktribuneonline.com
दैनिक ट्रिब्यून Mon, 05 June 2023
https://epaper.dainiktrib

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 05-06-2023**

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेषः हकेवि ने तैयार की पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा

लैपटॉप बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किलोमीटर का सफर तय

- 21 हजार की लागत में वेस्ट मटीरियल से हकेवि के विद्यार्थियों शिक्षकों ने किया कमाल

नीरज कौशिक

इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व हकेवि के विद्यार्थियों व शिक्षकों द्वारा तैयार मित्रा का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता हैं। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपए की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते है और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं। इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बडे पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागात को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता हैं। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 05-06-2023**

हकेंवि का कमाल, कबाड़ से तैयार कर दिया इलेक्ट्रिक स्कूटर

प्रदूषण से भी दिलाएगा निजात, 21 हजार रुपये की आई लागत, एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर का तय करेगा सफर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर का सफर तय कर सकता है।

लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग से चार्ज किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें, जोकि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो। विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

बड़े पैमाने पर तैयार किया जाए तो लागत होगी कम

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा स्कूटर पर्यावरण का मित्र है। टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मैटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर खुशी जताई है।

इस टीम ने किया तैयार

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार आदि की टीम ने इस स्कूटर को तैयार किया है। इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट आदि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर पर आरंभ कर दी गई है। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इसके लिए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 05-06-2023**

विश्व पर्यावरण दिवस • 21 हजार की लागत में वेस्ट मैटीरियल से हकेंवि में विद्यार्थियों-शिक्षकों ने बनाया वाहन

पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा'

लैपटॉप बैटरी आधारित इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किमी का सफर तय

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता है। लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

स्कूटर का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर मित्रा ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं।

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते हैं कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है।

पेटेंट कराने सहित अन्य प्रक्रियाएं शुरू

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई है। डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 05-06-2023**

हकेंवि विद्यार्थियों ने तैयार किया 'मित्रा' स्कूटर

छात्रों ने 21 हजार की लागत में वेस्ट मटीरियल से किया कमाल, स्कूटर पर बैठ सकते हैं तीन लोग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकता है। लैपटाप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के जरिये चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

हकेंवि के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई स्कूटी के साथ कुलपति व विद्यार्थी ● सौ. हकेंवि प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है। आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हो और विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक स्कूटर (मित्रा) ऐसा ही एक प्रयास है। कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में तीन व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपये की लागत में वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डा. मुरलीधर नायक भुख्या व डा. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्ट्रिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं। डा. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज के लिए कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डा. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपये की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते है और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

इस टीम के अन्य सदस्य डा. सुधीर बताते है कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है, तो इसकी लागात को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मेटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता हैं।

स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है। मित्रा के माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 05-06-2023**

पर्यावरण दिवस पर विशेष हकेंवि ने तैयार किया पर्यावरण हितैषी ई-स्कूटर

21,000 की लागत से तैयार होगा

लैपटॉप की बैट्री से चार्ज होगा, एक बार में सत्तर किमी चलेगा थ्री सीटर 'मित्रा'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों और शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' तैयार किया है, जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक चलेगा। लैपटॉप की बैट्री से चलने वाले इस थ्री सीटर इलेक्ट्रिक स्कूटर को मात्र एक घंटा दस मिनट में किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज किया जा सकता है।

महेंद्रगढ़। इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. कुमार।

ऐसा है 'मित्रा'

- 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार।
- तीन व्यक्ति कर सकते हैं यात्रा।
- 21000 की लागत से तैयार हुआ।
- वेस्ट मेटीरियल से तैयार यह स्कूटर पर्यावरण हितैषी।

पर्यावरण संरक्षण जरूरी

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी है, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों। इलेक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' भी एक ऐसा ही प्रयास है।

जल्द करवाएंगे पेटेंट

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, मुख्या वामशी, मुज्जाखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक मुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलेक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर आरंभ कर दी गई हैं।

'मित्रा' पर्यावरण का मित्र

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि 'मित्रा' पर्यावरण का मित्र है। वेस्ट मेटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपये की लागत में ही तैयार कर लिया गया है। स्कूटर के माध्यम से एक समय में तीन लोग आसानी से यात्रा कर सकते हैं। इसे किसी भी सामान्य इलेक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 05-06-2023**

हकेंवि ने तैयार किया पर्यावरण हितैषी थ्री सीटर इलैक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा'

■ एक बार चार्ज करने पर करता है 70 किलोमीटर का सफर तय

महेंद्रगढ़, 4 जून (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के विद्यार्थियों व शिक्षकों की टीम ने एक ऐसा इलैक्ट्रिक स्कूटर तैयार किया है जो एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक का सफर सरपट तय कर सकता है।

लैपटॉप की बैटरी से चलने वाले इस थ्री सीटर इलैक्ट्रिक स्कूटर को मात्र 1 घंटा 10 मिनट की अवधि में किसी भी सामान्य इलैक्ट्रिक प्लग के माध्यम से चार्ज कर उपयोग में लाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयास जारी हैं, आवश्यक है कि हम ऐसे इनोवेशन करें जो कि प्रदूषण की समस्या के निदान में मददगार हों और विश्वविद्यालय के इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा तैयार इलैक्ट्रिक स्कूटर 'मित्रा' ऐसा ही एक प्रयास है।

इलैक्ट्रिक स्कूटर मित्रा बनाने वाली टीम के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (मोहन)

कुलपति ने कहा कि हमारे स्कूटर से 25 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड से एक बार में 3 व्यक्ति एक साथ यात्रा कर सकते हैं। मात्र 21 हजार रुपए की लागत में वेस्ट मैटीरियल से तैयार यह स्कूटर प्रदूषण रहित पर्यावरण हितैषी उत्पाद है।

इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी अभिषेक शर्मा, आदर्श तिवारी, भुख्या वामशी, मुज्जखीर अली खान, फैजान अशरफ और शिक्षक डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या व डॉ. सुधीर कुमार की टीम द्वारा तैयार इस इलैक्टिक स्कूटर के संबंध में आवश्यक पेंटेंट इत्यादि की प्रक्रिया विश्वविद्यालय के स्तर पर आरंभ कर दी गई है।

डॉ. मुरलीधर नायक भुख्या ने इस खोज हेतु कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, डीन प्रो. फूल सिंह, विभाग के शिक्षक प्रो. अजय बंसल और विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार दुबे का उनके सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार जताया।

रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकेंगे

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के डीन प्रो. फूल सिंह ने शिक्षकों व विद्यार्थियों की इस खोज पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह उत्पाद पर्यावरण में वाहनों के माध्यम से होने वाले प्रदूषण का समाधान उपलब्ध कराता है।

मित्रा को एक बार चार्ज करने पर 70 किलोमीटर तक की यात्रा की जा सकती है यानी इसके माध्यम से हम अपनी रोजमर्रा की आवश्यकता से जुड़ी स्थानीय यात्रा बिना किसी प्रदूषण के कर सकते हैं।

सामान्य इलैक्ट्रिसिटी प्लग से कर सकते हैं चार्ज

डॉ. मुरलीधर ने बताया कि मित्रा पर्यावरण का मित्र है और वेस्ट मैटीरियल से तैयार इस स्कूटर को मात्र 21 हजार रुपए की लागत में ही तैयार कर लिया गया है स्कूटर के माध्यम से एक समय में 3 लोग आसानी से यात्रा कर सकते हैं और इतना ही नहीं यह स्कूटर आप घर में या पार्किंग में उपलब्ध किसी भी सामान्य इलैक्ट्रिसिटी प्लग से चार्ज कर सकते हैं।

इस टीम के अन्य सदस्य डॉ. सुधीर बताते हैं कि इस स्कूटर को यदि इंडस्ट्री के स्तर पर बड़े पैमाने पर तैयार किया जाता है तो इसकी लागत को और कम कर पाना संभव होगा और इसके माध्यम से भारी संख्या में उपलब्ध वेस्ट मैटीरियल को भी उपयोग में लाया जा सकता है।